भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

17.12.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2816 का उत्तर

रेलवे परियोजना का समय पर पूरा होना

2816. श्रीमती माला राय:

डॉ. राज कुमार चब्बेवाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में बड़ी संख्या में रेलवे परियोजनाओं के संबंध में निर्धारित तिथि के सापेक्ष में अत्यधिक विलंब हुआ है;

(ख) यदि हां, तो विशेषकर पंजाब राज्य में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का उक्त रेल परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए कोई उपाय करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) वर्ष 2009-11 की अवधि के दौरान रेल बजट में घोषित की गई रेल परियोजनाओं की संख्या का राज्य-वार ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में लगभग 6.75 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली 35,966 किमी की कुल लंबाई की 431 रेल अवसंरचना

परियोजनाएँ (154 नई लाइन, 33 आमान परिवर्तन और 244 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी.)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी.)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	154	16,142	3,036	1,45,318
आमान परिवर्तन	33	4,180	2,997	22,753
दोहरीकरण/बहुपथन	244	15,644	6,736	1,22,858
कुल	431	35,966	12,769	2,90,929

भारतीय रेल की वेबसाइट पर सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्र-वार/वर्ष-वार ब्यौरा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

भारतीय रेल पर नए रेलपथ के कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी. प्रतिदिन
2014-25	34,428 कि.मी.	8.57 कि.मी. प्रतिदिन (2 गुना से अधिक)

<u>पंजाब</u>

पंजाब राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों के लिए किए गए बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	225 करोड़ रुपए/वर्ष
2025-26	5,421 करोड़ रुपए (24 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, पंजाब राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 21,926 करोड़ रुपये लागत वाली कुल 714 किमी लंबाई की 09 परियोजनाओं (04 नई लाइन और 05 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई	कमीशन की गई लंबाई	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	04	252 किमी	64 किमी	7359
दोहरीकरण/बहुपथन	05	462 किमी	51 किमी	720
कुल	09	714 किमी	115 किमी	8,079

पंजाब राज्य में पूर्णत:/आंशत: पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गईं कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	चक्की बैंक-भरोली दोहरीकरण (3 कि.मी.)	15
2	जाखल-मानसा दोहरीकरण (45 कि.मी.)	163
3	मीरथल-भंगाला ब्यास नदी दोहरीकरण (2.5 कि.मी.)	74
4	अंबाला-धप्पर-चंडीगढ़ दोहरीकरण (45 कि.मी.)	339
5	मानसा - बठिंडा दोहरीकरण (49 कि.मी.)	216
6	अमृतसर से छहरटा दोहरीकरण (7 कि.मी.)	31
7	जालंधर-पठानकोट-जम्मू तवी दोहरीकरण (209 कि.मी.)	850
8	कठुआ-माधोपुर पंजाब - रावी पुल पर दोहरीकरण (2.5 कि.मी.)	257
9	राजपुरा-बठिंडा दोहरीकरण (173 कि.मी.)	2459

पंजाब राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं जिन्हें शुरू किया गया हैं, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	नंगल डैम-तलवाड़ा और मुकेरियां-तलवाड़ा नई लाइन (143 किमी) का साइडिंग संबंधी कार्य शुरु करना	2018
2	भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी नई लाइन (63 किमी)	6753
3	कादियां-ब्यास नई लाइन (40 किमी)	842
4	फिरोजपुर-पटी नई लाइन (26 किमी)	300
5	तलवंडी साबो के रास्ते रामा मंडी (रमन)-मौर मंडी (मौर) (29 किमी) नई लाइन	154
6	लुधियाना-किला रायपुर दोहरीकरण (19 किमी)	238
7	लुधियाना-मुल्लनपुर दोहरीकरण (21 किमी)	235
8	राजपुरा-मोहाली नई लाइन (18 किमी)	443

भारत सरकार परियोजनाओं को पूरा करने के लिए तैयार है, बहरहाल इसकी सफलता पंजाब सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, कुछ प्रमुख परियोजनाएं जो भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हैं, का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की जाने वाली शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1	फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन	166	0	166
2	अलाल-हिम्मताना कॉर्ड लाइन	20	0	20
3	कादियां-ब्यास नई लाइन	151	0	151
4	रामा मंडी (रमन) - तलवंडी साबो नई लाइन	85	0	85

फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन (26 किमी), अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास एक महत्वपूर्ण परियोजना है जो पूर्ण रूप से पंजाब में है। इस परियोजना के लिए भूमि पंजाब राज्य सरकार द्वारा निःशुल्क सौंपी जानी थी। फिरोजपुर और तरनतारन जिलों में कुल 166 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत की जानी है। पूरी भूमि के लिए पंचाट मार्च-23 में प्रकाशित किया जा चुका है। बहरहाल, पंचाट का वितरण राज्य सरकार द्वारा नहीं किया गया है। इस महत्वपूर्ण सीमा क्षेत्र परियोजना के निष्पादन में विलंब को ध्यान में रखते हुए, रेल मंत्रालय ने स्वयं वित्तपोषण द्वारा फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन (26 किमी) को शुरू करने का निर्णय लिया है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- यातायात अनुमानों और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली आरंभिक और अंतिम छोर संपर्कता
- मिसिंग लिंकों का संयोजन और वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्द्धन
- राज्य सरकारों/केन्द्रीय मंत्रालयों जन प्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं
- सामाजिक-आर्थिक महत्वों
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजना/ओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जो निम्नानुसार शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां

- **क्षेत्र की भू-वैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना विशेष के स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/ओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों में निम्नानुसार शामिल हैं:

- **निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि।**
- **क्षेत्र स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।**
- **विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।**
- **भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंज़ूरियों में तेज़ी लाने और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों के समाधान के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई।**

****